AF-2515

M.A. (Previous)
Term End Examination, 2017-18

HINDI

Paper - III

आधुनिक गद्य साहित्य

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 100
[*Minimum Pass Marks* : 36

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 30

(क) फूल हँसते हुए आते हैं, मकरंद गिरकर मुरझा जाते हैं, आसूँ से धरणी को भिगोकर चले जाते हैं। एक स्निग्ध समीर का झोंका आता है, निश्वास फेककर चला जाता है।

क्या पृथ्वी-तल रोने के लिए ही है? नहीं, सबके लिए एक ही नियम तो नहीं, कोई रोने के लिए है तो कोई हँसने के लिए।

अथवा

''माँ, आज के वे क्षण मैं कभी नहीं भूल सकती। सौन्दर्य का ऐसा साक्षात्कार मैंने कभी नहीं किया। जैसे वह सौन्दर्य स्पृश्य होते हुए भी माँ सत हो। मैं उसे छू सकती थी, देख सकती थी, पी सकती थी। तभी मुझे अनुभव हुआ कि वह क्या है जो भावना को कविता का रूप देता है। मैं जीवन में पहली बार समझ पायी कि क्यों कोई पर्वत-शिखरों को सहलाती मेघ-मालाओं में खो जाता है, क्यों किसी को अपने तन-मन की अपेक्षा आकाश में बनते-मिटते चिजों का इतना मोह रहता है।''

(ख) मैं नहीं कहता देवियों को विधा की जरूरत नहीं है। है, और पुरुषों से अधिक। मैं नहीं कहता, देवियों को शक्ति की जरूरत नहीं है। है, पुरुषों से अधिक। लेकिन वह विधा और वही शक्ति नहीं जिससे पुरुष ने संसार को हिंसा क्षेत्र बना डाला है। अगर वही विधा और वही शक्ति आप भी ले लेगीं, तो संसार मरूस्थल हो जाएगा। आपकी विधा

और आपका अधिकार हिंसा और विध्वंस में नहीं, सृष्टि और पालन में है। क्या आप समझती हैं वोटों से मानव जाति का उद्धार होगा, या दफ्तरों में और अदालतों में जबान और कलम चलाने में? इन नकली विनाशकारी अप्राकृतिक अधिकारों के लिए आप वह अधिकार छोड़ देना चाहती हैं जो आपको प्रकृति ने दिए हैं।

अथवा

यह प्रसाद है, आर्य की यह शरीर नरक का साधन है। वही बैकुण्ठ है। इसी को आश्रय करके नारायण अपनी आनन्द लीला प्रकट कर रहे हैं। आनन्द से ही यह भुवन-मण्डल उद्भाषित है। आनन्द से ही विधाता ने सृष्टि उत्पन्न की है। आनन्द ही इसका उद्गम है, आनन्द ही इसका लक्ष्य है।

(ग) ''चन्द्रमा मृत और अमृत दोनों को पिलाता है। एक को पिलाता है, क्षीण हो-होकर और दूसरे को पिलाता है, पीत हो-होकर। पितर पी कर भी तृप्त नहीं होते। देवता पीकर जगत तृप्त कर देते हैं। मनुष्य का मन भी दोनों को पिलाता है जो मरा है उसे भी, जो जीवित है उसे भी। मरे को पिलाकर मारने का बल देता है, जीते को पिलाकर जिताने

का बल देता है। अमावस्या की अँधेरी रात में चन्द्र रीता होकर भी द्वितीया की अर्चना पाने की तैयारी में डूबा रहा है, संकोच में छिपा रहता है और पूर्णिमा की उजली चाँदनी में वह पूर्ण होकर अनागत की छाया से पीला पड़कर घूमता रहता है।''

अथवा

गजाधर बाबू उस कमरे में पड़े-पड़े कभी-कभी अनायास ही इस अस्थायित्व को अनुभव करने लगते हैं। उन्हें याद ही आती है उन रेल गाड़ियों की, जो आती और थोड़ी देर रुककर किसी और लक्ष्य की ओर चली जाती।

2. नाटकीय तत्त्वों के आधार पर 'चन्द्रगुप्त' नाटक की समीक्षा कीजिए। 15

अथवा

'आषाढ़ का एक दिन' नाटक यथार्थवादी है। तर्क सहित स्पष्ट कीजिए।

3. प्रेमचंद के उपन्यासों में उसके जीवन-दर्शन का साकार स्वरूप झलकता है, 'गोदान' उपन्यास के आधार पर उक्त कथन को स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

'बाणभट्ट की आत्मकथा' के आधार पर हजारी प्रसाद द्विवेदी की भाषा और शिल्पगत वैशिष्ट्य की विवेचना कीजिए।

4. किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 20

(क) प्रसाद के नाटकों में राष्ट्रीय चेतना और भक्ति

(ख) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की कथावस्तु

(ग) 'गोदान' उपन्यास की समसामयिकता

(घ) बाणभट्ट की चरित्र की विशेषताएँ

(ङ) 'करूणा' निबन्ध का सार

(च) 'उसने कहा था' का कथोपदेश

(छ) प्रेमचंद की 'कहानी-कला' और 'मंत्र'

(ज) रागेय राघव का कथा शिल्प

(झ) 'वापसी' कहानी की उद्देश्य

5. किन्हीं **बीस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 20

(क) 'कल्याणी' के पिता का नाम।

(ख) 'राक्षस' किस नाटक का पात्र है ?

(ग) भारतेन्दु युग के दो प्रसिद्ध निबन्धकार।

(घ) 'चन्द्रगुप्त' के अतिरिक्त प्रसाद के तीन नाटकों के नाम।

(ङ) 'आषाढ़ का एक दिन' के नाट्यकार।

(च) प्रेमचन्द का जन्म स्थान।

(छ) बाणभट्ट उपन्यास है या नाटक?

(ज) 'हरी हरी दूब और लाचार क्रोध' के रचनाकार।

(झ) हरिशंकर परसाई का कौन-सा निबंध आपके पाठ्यक्रम में लिया गया है?

(ञ) विष्णु प्रभाकर की चरितात्मक कृति के नाम लिखें।

(ट) 'मंत्र' कहानी है या निबंध?

(ठ) 'निराला' निबंध की निबंधकार।

(ड) महावीर प्रसाद द्विवेदी की रचना जिसे आपके पाठ्यक्रम में समाहित किया गया है।

(ढ) 'परिन्दे' के कहानीकार।

(ण) द्रुतपाठ में कितने उपन्यासकारों को लिया गया है?

(त) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के खलनायक का नाम।

(थ) 'चिन्तामणी' के कृत्तिकार।

(द) आचार्य शुक्ल का पूर्ण नाम।

(ध) 'गोदान' उपन्यास में किस गाँव की कथा है ?

(न) लहना सिंह किस कहानी का पात्र है ?

(प) 'गुलेरी जी' का पूर्ण नाम लिखें।

(फ) किन्हीं दो व्यंग्य रचनाकारों के नाम लिखें।

(ब) ललित निबन्धों की परम्परा का आरंभ किसने किया ?

———